पाठ्यक्रम

इतिहास का पेपर - 2

इकाई-ए - आधुनिक भारत

1. 18वीं शताब्दी का संक्रमण:

   (a) मुगल साम्राज्य का पतन

   (b) क्षेत्रीय शक्तियों का उदय

   (c) यूरोपीय शक्तियों का आगमन

2. ब्रिटिश शासन की स्थापना और विस्तार-बंगाल, अवध, मैसूर, मराठा और सिख।

3. पूंजीवाद, साम्राज्यवाद और औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था में संक्रमण:

   (a) ब्रिटिश भारत में भूमि राजस्व बंदोबस्त; राजस्व व्यवस्था का आर्थिक प्रभाव; कृषि का व्यावसायीकरण; कुटीर उद्योग का पतन; भूमिहीन कृषि मजदूरों का उदय; ग्रामीण समाज की दरिद्रता।

   (b) पारंपरिक व्यापार और वाणिज्य का विस्थापन; विऔद्योगीकरण; धन की निकासी; ब्रिटिश पूंजी निवेश, यूरोपीय व्यापार उद्यम और इसका प्रभाव।

4. ब्रिटिश राज की प्रारंभिक संरचना:

   प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना; द्वैध शासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक; विनियमन अधिनियम (1773); पिट्स इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार की आवाज़ और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता चरित्र; अंग्रेजी उपयोगितावादी और भारत।

5. ब्रिटिश शासन के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया I : सामाजिक-संस्कृति में परिवर्तन

   (a) भारत में पश्चिमी शिक्षा की शुरूआत; प्रेस, साहित्य और जनमत का उदय; आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्य का विकास; विज्ञान की प्रगति; भारत में ईसाई मिशनरी गतिविधियाँ।

   (b) सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन: ब्रह्मो आंदोलन; देवेंद्र नाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; यंग बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; महाराष्ट्र और भारत के अन्य हिस्सों के सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय

पुनर्जागरण का योगदान; सर सैयद अहमद खान और अलीगढ़ आंदोलन। इस्लामी पुनरुत्थानवाद- फराइज़ी और वहाबी आंदोलन।

(c) दलितों और महिलाओं के उत्थान के लिए आंदोलन।

6. ब्रिटिश शासन के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया

II: विद्रोह और बगावत

(a) 18वीं और 19वीं शताब्दी में किसान आंदोलन और जनजातीय विद्रोह जिसमें रंगपुर ढिंग (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोपला विद्रोह (1841-1920), संथाल हुल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दक्कन विद्रोह (1875) और मुंडा उलगुलान (1899-1900) शामिल हैं; 1857 का महान विद्रोह - उत्पत्ति, चरित्र, असफलता के कारण, परिणाम; 1857 के बाद की अवधि में किसान विद्रोह के चरित्र में बदलाव; 1920 और 1930 के दशक के किसान आंदोलन।

7. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय

(a) भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के लिए अग्रणी कारक; संघ की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना; प्रारंभिक कांग्रेस के उद्देश्य; उदारवादी और गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक और राजनीतिक पहलू; भारत में क्रांतिकारी उग्रवाद की शुरुआत।

(b) गांधीवादी राजनीति का युग: गांधीवादी राष्ट्रवाद का चरित्र; गांधी की लोकप्रिय अपील; रौलट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन; असहयोग आंदोलन के अंत से सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत तक राष्ट्रीय राजनीति; सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण; साइमन कमीशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज सम्मेलन; 1937 का चुनाव और मंत्रिमंडलों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आंदोलन; वेवेल योजना; कैबिनेट मिशन।

(c) राष्ट्रीय आंदोलन में अन्य धाराएँ: राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; राष्ट्रवाद और मजदूर वर्ग आंदोलन; क्रांतिकारी: बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मद्रास प्रेसीडेंसी और भारत के बाहर; भारतीय राष्ट्रीय सेना (आजाद हिंद फौज)। वामपंथी; कांग्रेस के भीतर वामपंथी: जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी; भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामपंथी दल।

8. 1858 और 1935 के बीच औपनिवेशिक भारत में संवैधानिक विकास।

9. भारतीय राजनीति में मुस्लिम लीग और सांप्रदायिकता का विकास; भारत के विभाजन की ओर ले जाने वाली परिस्थितियाँ।

10. स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण- राज्यों का भाषाई पुनर्गठन, पंचवर्षीय योजना, नेहरूवादी युग के दौरान संस्थागत निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास।

यूनिट-बी - आधुनिक विश्व का इतिहास

1. पुनर्जागरण- कारण और प्रभाव; सुधार- कारण, विकास और महत्व; प्रति-सुधार और इसका प्रभाव; 15वीं-16वीं शताब्दी की भौगोलिक खोजें।
2. ज्ञानोदय और आधुनिक दृष्टिकोण: ज्ञानोदय के प्रमुख विचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, औद्योगिक क्रांति- कारण और समाज पर प्रभाव।
3. राष्ट्र-राज्यों का विचार- फ्रांसीसी और ब्रिटिश राष्ट्र राज्य का गठन, अमेरिकी क्रांति- कारण और प्रभाव।
4. फ्रांसीसी क्रांति और नेपोलियन युग- कारण, महत्वपूर्ण घटनाएँ और प्रभाव, नेपोलियन बोनापार्ट का योगदान।
5. 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय और साम्राज्यों का विघटन। जर्मनी और इटली में राष्ट्र निर्माण।
6. 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विकास- एशिया और अफ्रीका। प्रथम विश्व युद्ध: कारण और परिणाम, प्रथम विश्व युद्ध और पेरिस शांति सम्मेलन।
7. 1917 की रूसी क्रांति- कारण और महत्व।
8. महामंदी और उसका प्रभाव, फासीवाद और नाजीवाद का उदय।
9. द्वितीय विश्व युद्ध- कारण, महत्वपूर्ण घटनाएँ और प्रभाव।
10. विश्व संगठन- राष्ट्र संघ और यू.एन.ओ.
11. औपनिवेशिक शासन से मुक्ति: लैटिन अमेरिका, अरब दुनिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया, 1949 की चीनी क्रांति।
12. शीत युद्ध- दो ब्लॉकों का उदय।
13. तीसरी दुनिया और गुटनिरपेक्षता का उदय।
14. सोवियत संघ का विघटन और शीत युद्ध की समाप्ति।

यूनिट-सी - राजस्थान का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास

1. स्त्रोत-पुरातात्विक और साहित्यिक स्त्रोत।
2. राजस्थान का पूर्व और आद्य इतिहास- पुरापाषाण से ताम्रपाषाण संक्रमण - प्रमुख स्थल- कालीबंगा, आहड़, बागोर, गणेश्वर, बालाथल, औजार और संस्कृति।

3. प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में राजस्थान - प्रमुख स्थल, मौर्योत्तर काल में गणराज्य
4. गुप्त और गुप्तोत्तर काल: राजपूतों की उत्पत्ति - गुहिल, गुर्जर-प्रतिहार, परमार, राठौर, भाटी, तोमर और चौहान
5. प्राचीन राजस्थान में समाज, संस्कृति और राजनीति।
6. मध्यकालीन राजस्थान- सल्तनत काल की राजनीतिक शक्तियाँ- चौहान, गुहिल, राठौर और परमार
7. राजपूत प्रतिरोध- पृथ्वीराज-तृतीय, रणथंभौर के हमीर, रावल रतन सिंह और कान्हड़देव।
8. मुगल और राजपूत राज्य- राजपूत प्रतिरोध - सांगा, मालदेव, चद्रसेन और प्रताप
9. केंद्रीय शक्ति के साथ राजपूत सहयोग- मान सिंह, राय सिंह, मिर्जा राजा जय सिंह, जसवंत सिंह।
10. राजस्थान में सामंती व्यवस्था।
11. मध्यकालीन राजस्थान में शासकों की राजनीतिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
12. 18वीं शताब्दी में राजस्थान- अस्थिरता और नई राजनीतिक शक्तियों की उत्पत्ति- जाट, मराठा और ब्रिटिश।
13. राजस्थान की राजनीति में कंपनी की सर्वोच्चता और संरचनात्मक परिवर्तन,
14. 1857 के विद्रोह में राजस्थान की भूमिका।
15. राजस्थान में जागृति- सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक जागृति।
16. राजस्थान में आदिवासी और किसान आंदोलन।
17. राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम।
18. राजस्थान का आर्थिक जीवन (1818 से 1948 ई.)- कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य। ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव- (भू-राजस्व, कृषि, उद्योग, खान, नमक, अफीम, व्यापार और वाणिज्य, मारवाड़ी व्यापारियों का प्रवास, परिवहन और संचार)।
19. राजस्थान का एकीकरण- इसके विभिन्न चरण।
20. कला का विकास- वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत, नृत्य और नाटक प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक।
21. राजस्थान में ऐतिहासिक काल में साहित्य का विकास।